

All Pictures and material are Copyright © ICON PRODUCTIONS, © NEWMARKET FILMS © ICON DISTRIBUTION, Inc.



What Jesus Christ went through....for you....
प्रभु यीशु मसीह आपके लिए किससे गुजरा.....



The final hours before his death.
उसकी मौत से पहले के आखरी घण्टे.



The night before His sufferings, Jesus, under great pressure and stress, prays earnestly not to go through this coming misery.

But in obedience He says..., **“Not my will, but Yours be done!”**

अपनी यातनाओं से एक रात पहले, यीशु बड़े दबाव और तनाव में, गभीरता से परन्तु आज्ञाकारिता में उसने कहा.....“मेरी इच्छा नहीं, परन्तु तेरी इच्छा पूरी हो।”



For 30 pieces of silver, Judas, a 'friend' of Jesus, betrayed the son of God. Judas gave Jesus a kiss to identify him to the guards. The night before this, Jesus prophesied to his disciples, "One of you will betray me", "he who shares my bread, has lifted up his heel against me."

चांदी के तीस टुकड़ों के लिए, यहूदा, यीशु के दोस्त ने परमेश्वर के पुत्र को धोखा दिया। पहलेदारों के समक्ष यीशु को पहचानने के लिए उसने यीशु को प्यार किया। एक रात पहले, यीशु ने अपने चेलों के आगे भविष्यवाणी की, "तुम में से एक मुझे धोखा देगा" "जो मेरे साथ रोटी तोड़ता है, वह मेरे विरुद्ध खड़ा होगा।"



When the guards arrested Jesus, all His friends ran away and deserted Him.

जब पहरेदारों ने यीशु को पकड़ लिया, तो उसके सारे दोस्त भाग गए और उसे छोड़ दिया।



In the struggle, one of the guards had his ear cut off by Peter. But Jesus turned and healed the guard. After this, Jesus was taken away.

इस प्रयत्न के दौरान पतरस ने एक पहरेदार का कान काट दिया। परन्तु यीशु मुड़ा और उसे चंगा कर दिया। इसके बाद, यीशु को ले गए।



The guards tied him up, beat him and brought him to the Jewish Authorities for questioning.



पहरेदारों ने उसे बान्ध दिया, उसे मारा और उसे प्रश्नोत्तरों के लिए यहूदी अधिकारों के पास ले गए।



He was questioned, mocked, hit, slapped, ridiculed, spit upon and accused by His own people. Yet during all this, He kept silent like a lamb.

उससे प्रश्न किए गए, झुठा किया गया, प्रहार किया गया, थप्पड़ मारा गया, खिल्ली उड़ाई, थूका और उसके लोगों ने उस पर दोष लगाया। फिर भी इस सबके दौरान, वह मेमने के समान शान्त रहा।





Jesus was brought before the Roman Governor Pontius Pilate and then King Herod. After they questioned Him, they found none of the accusations against Him were valid. Each of these rulers refused to condemn Jesus, as His own people demanded.

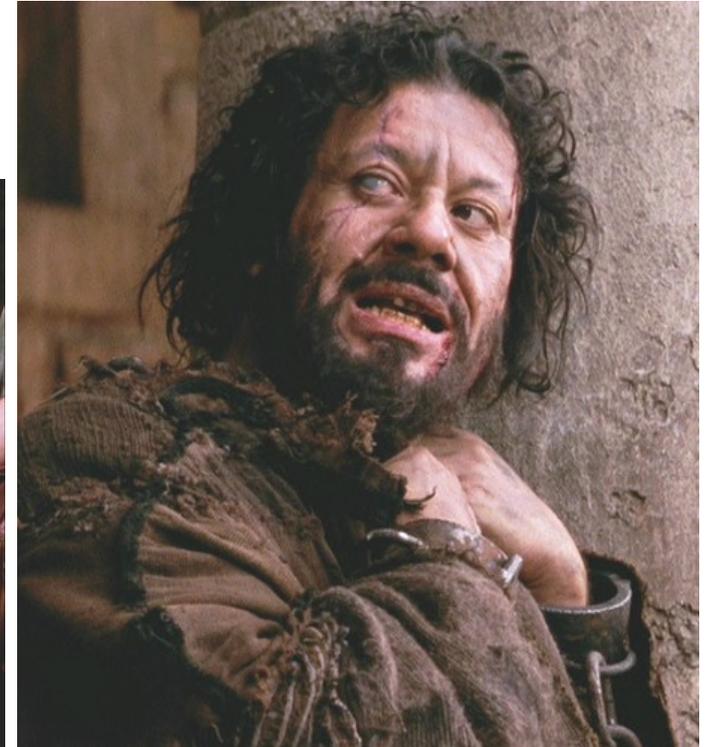
यीशु को रोमन गर्वनर पित्तुस पिलातुस और बाद में राजा हेरोद के पास ले गए। उन्होंने उससे प्रश्न करने के बाद यह पाया कि उस पर जो भी दोष लगाया वह सब गलत है। इनमें से हर एक अधिकारी ने यीशु को दोषी ठहराने से मना कर दिया जैसे कि उसके लोगों ने मांग रखी थी।



When the people became unruly, and demanded the death of Jesus, Pontius Pilate called in troops to control the Crowd. He then offered the crowd a deal. Pilate had another man named Barabus,

who was imprisoned for murder. He offered to free one of the accused prisoners, whoever the people chose; either Jesus or Barabus a murderer. **The people chose...**

जब लोग बेकाबू हो गए और यीशु की मौत की मांग करने लगे, तब पिन्तुस पिलातुस ने भीड़ को नियन्त्रित करने के लिए टुकड़िया बुलाई। उसने फिर लोगों के सामने एक सौदा रखा। पिलातुस के सामने एक ओर आदमी था बाराबास जो कि हत्याएँ करने के जुर्म में कैद था। उसने प्रस्ताव रखा कि इन दोनों केदीयों में से एक को छोड़ दूंगा जिसे भी लोग चुनते हैं, या तो यीशु या बराबास।
लोगों ने चुना.....



...बाराबास...



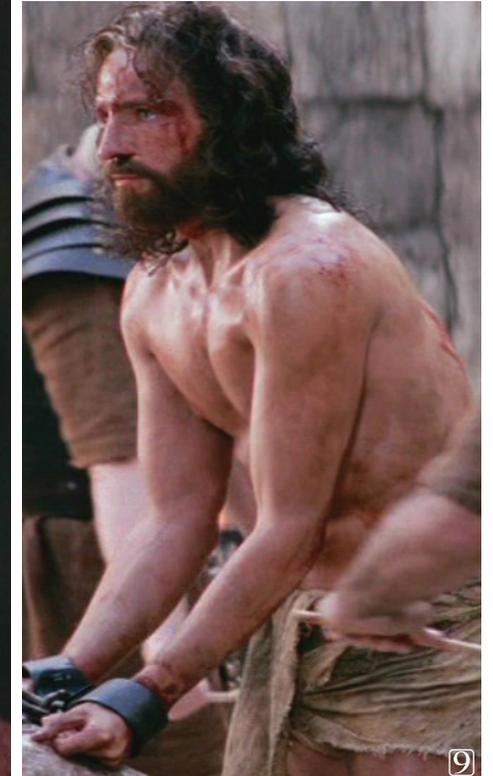
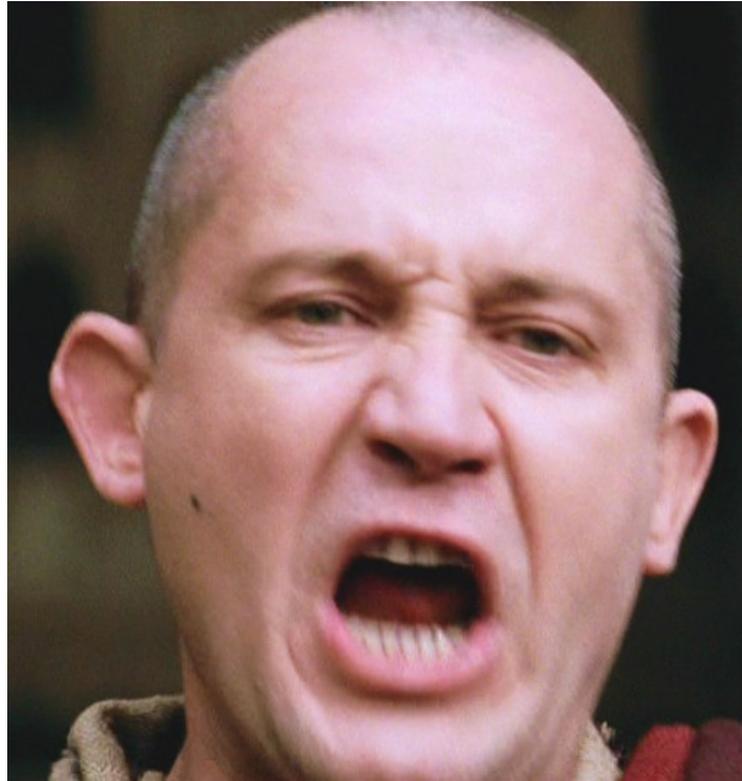
Barabus was unshackled and given his freedom.

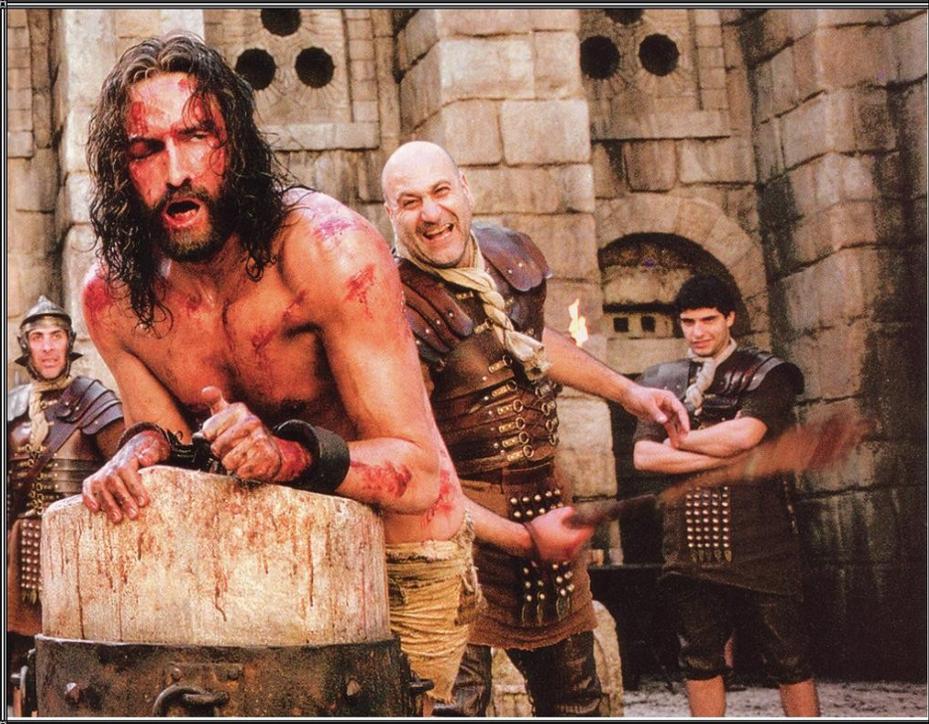
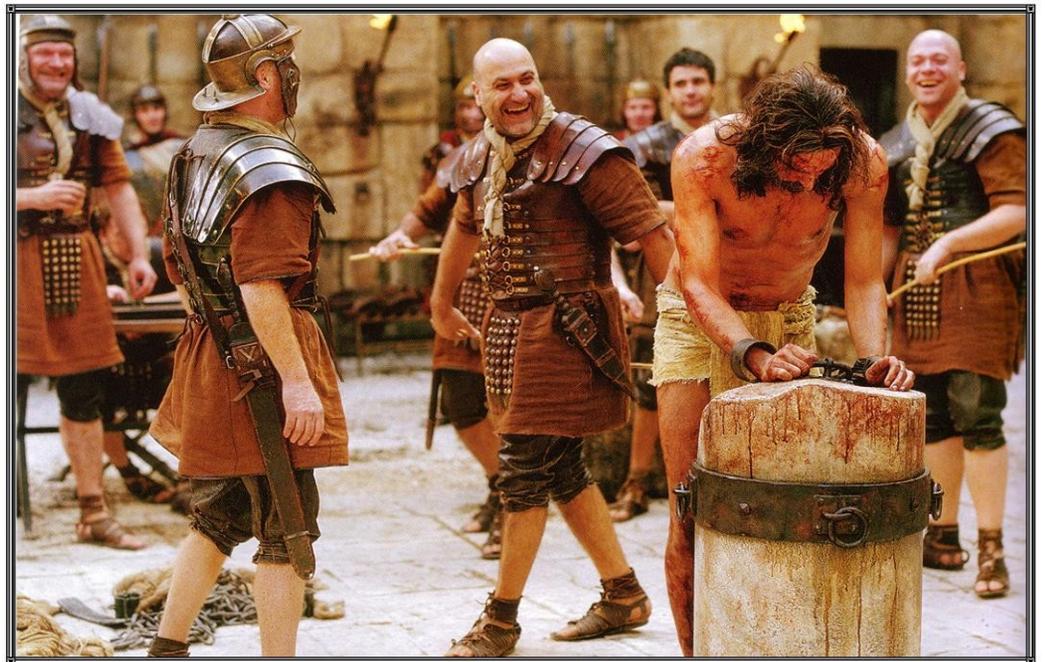
बाराबस को कैद से छोड़ दिया गया और उसे आजादी दे दी गई।



But the people still demanded the death of Jesus. Pontius Pilate vehemently refuse. Instead, Pontius commanded that Jesus be severely chastised. So He was taken away to a regiment of Roman soldiers.

परन्तु लोगो ने फिर यीशु की मौत मांगी। पित्तुस पिलातुस ने प्रगाढता से मना किया। इसके बजाय, पित्तुस ने आज्ञा दी कि यीशु पर बुरी तरह से कोड़े मारे जाए। सो उसको रोमन सैनिक ले गए।

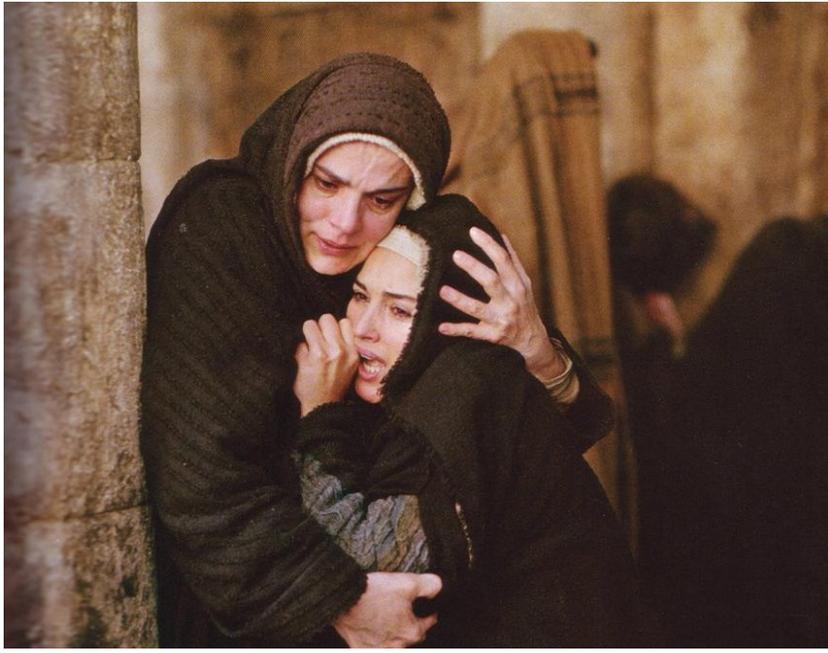




The Roman soldiers shackled Jesus to a post and beat Him mercilessly.

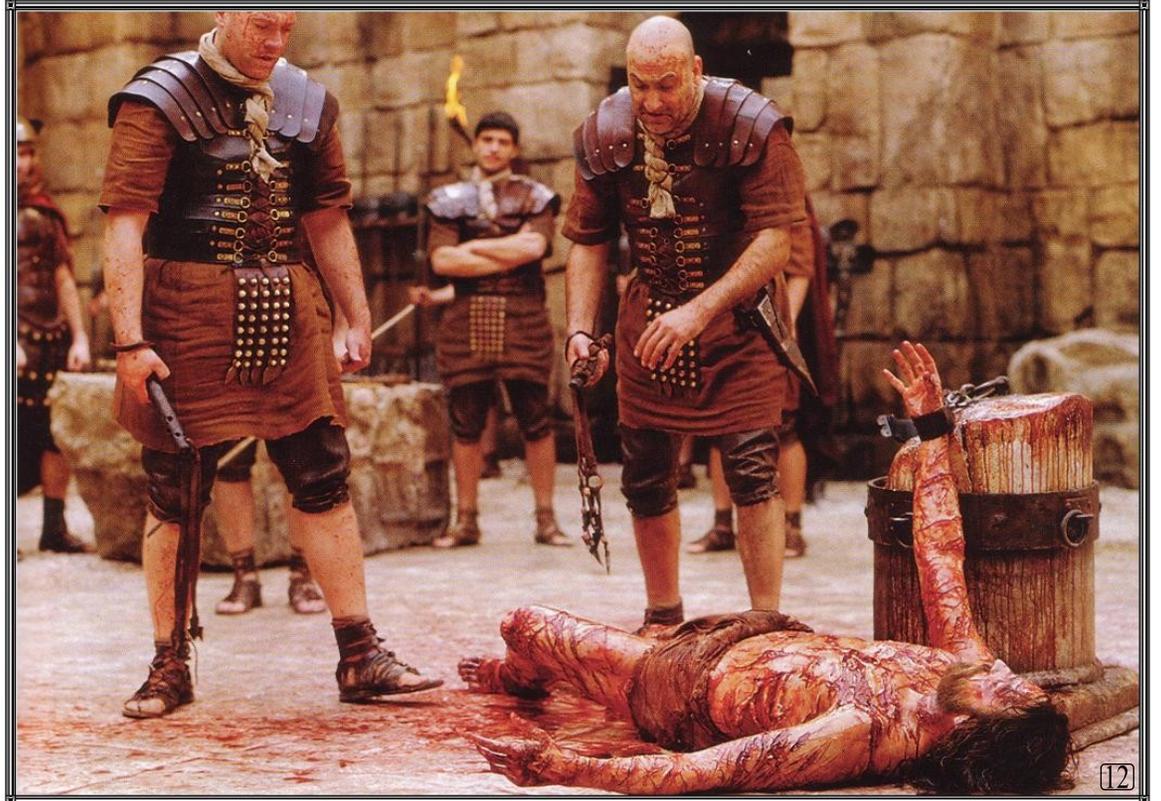
रोमन सैनिको ने उसे एक खम्बे से बांध दिया और बुरी तरह कोड़ों से मारा।

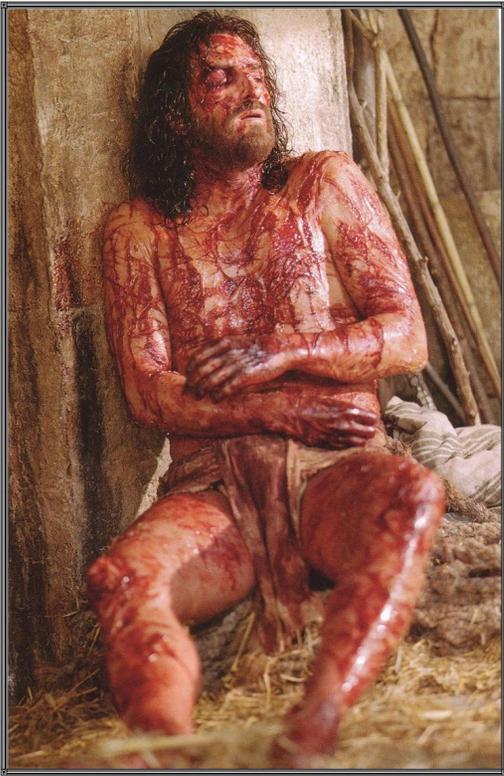




His family watched as the Roman soldiers finished 39 lashes.

रोमन सैनिकों द्वारा 39 कोड़े खाने तक उसके परिवार ने उसको देखा।

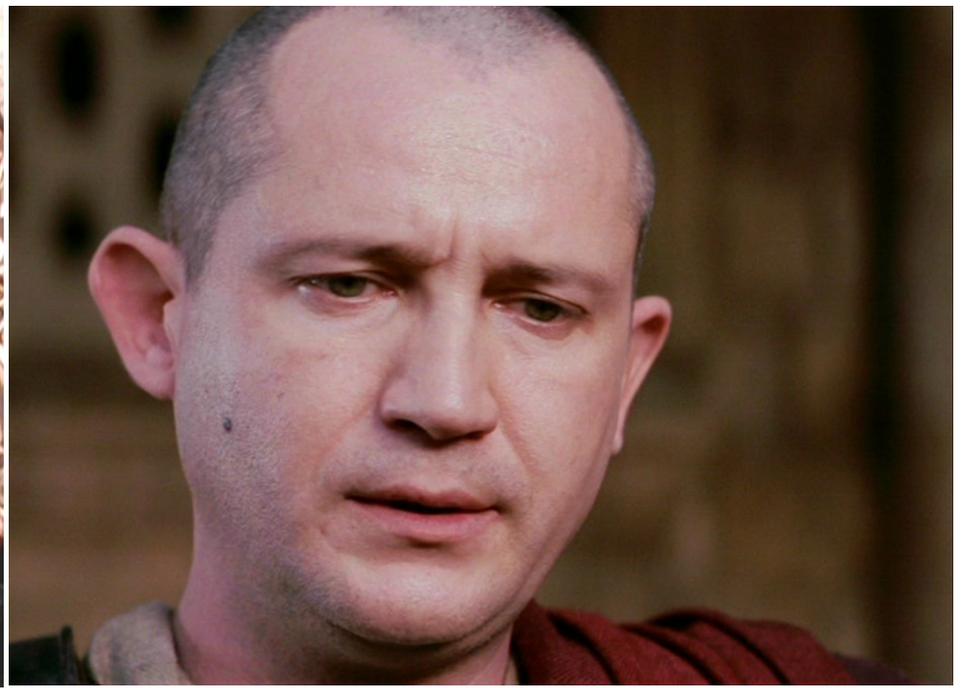




When finished, the soldiers set him aside, put a crown of thorns on his head and a robe across his body, then mocked Him as their great King.



जब कोड़े मारना बन्द किया तो सैनिको ने उसे ले जाकर उसके सिर पर कांटो का ताज पहना दिया और उसे लम्बा वस्त्र भी पहना दिया और फिर उसे अपना राजा बताकर उसका धुठा करने लगे। [13]



After Jesus was severely beaten, His own people still demanded that He be Crucified. In order to prevent a riot, Pontius consented, and sentences Jesus to be crucified. Pontius washed his hands before the crowd and proclaimed, "I am innocent of this man's blood."

यीशु को बुरी तरह मारने के बाद, उसके लोग फिर भी मांग करने लगे कि उसे क्रूस पर चढ़ा दिया जाए। दंगे से बचने के लिए, पित्तुस सहमत हुआ और यीशु को क्रूस पर चढ़ाने की आज्ञा दी। पित्तुस ने अपने हाथ लोगों के सामने धोए और एलान किया, "मैं इस व्यक्ति के खून से निर्दोष हूँ।"





Jesus had to carry His cross out of the city and up a hill. During this time, some people mourned for Him while others mocked Him.

Being exhausted, He fell 3 times while carrying it.

यीशु को अपना क्रूस उस शहर के बार चोटी पर ले जाना पड़ा। इस पूरे समय, कुछ लोग उसके लिए रोए और कुछ ने उसका मजाक उड़ाया। थकान से वह तीन बार मूर्छित होकर गिर गया। [13]



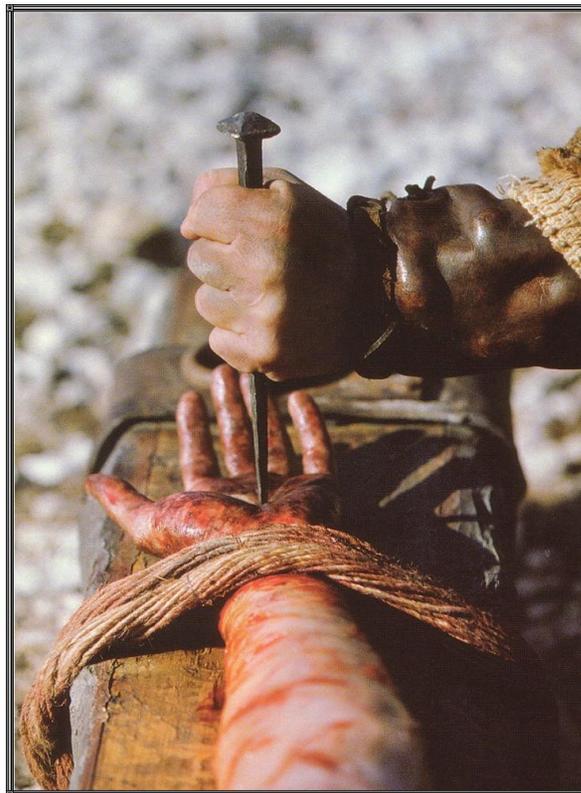
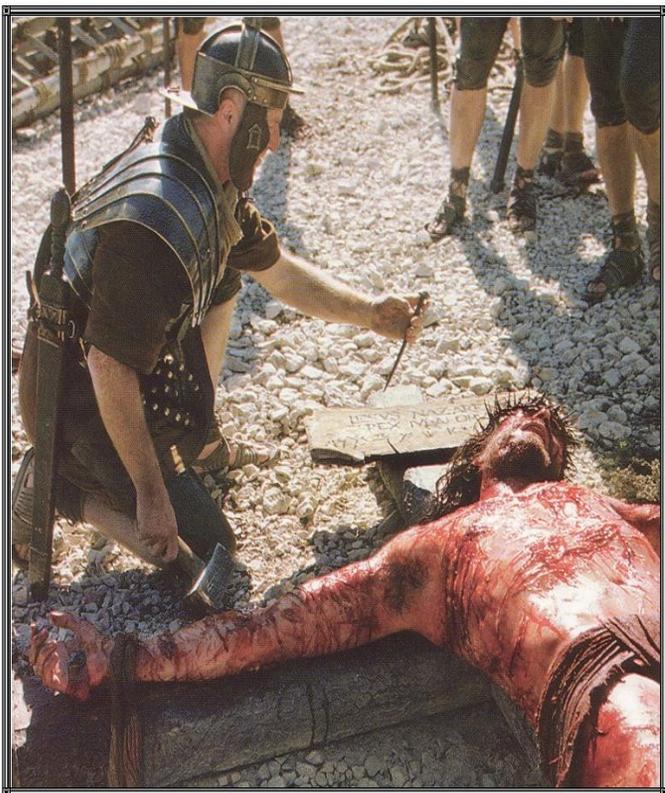
Because Jesus was too exhausted to carry His cross, the Roman Soldiers forced a man named Simon to help Jesus.

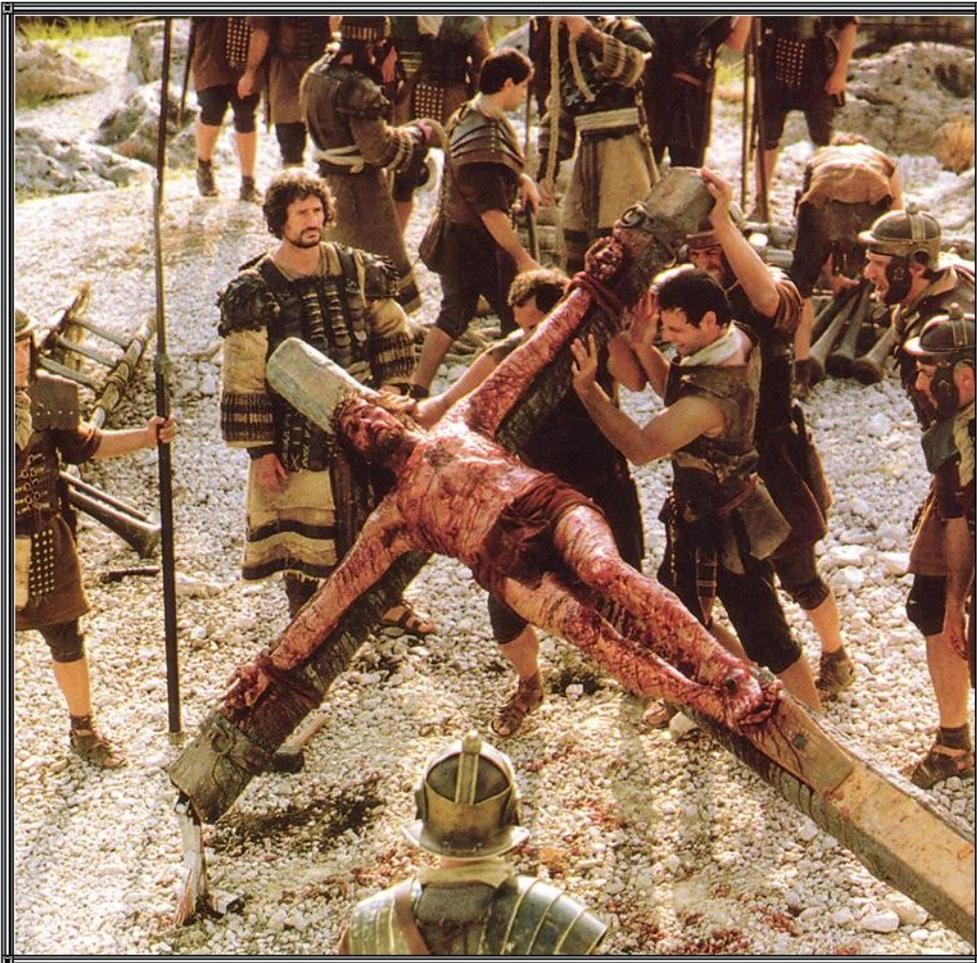
थकान से यीशु अपना क्रूस को नहीं उठा पा रहा था इसलिए रोमन सैनिको ने साइमन नाम के एक व्यक्ति को यीशु की मदद करने के लिए कहा।



When they arrived at the top of the hill, the Soldiers made Jesus to lay down on the Cross, they tied Him down, and nailed spikes through His hands and feet.

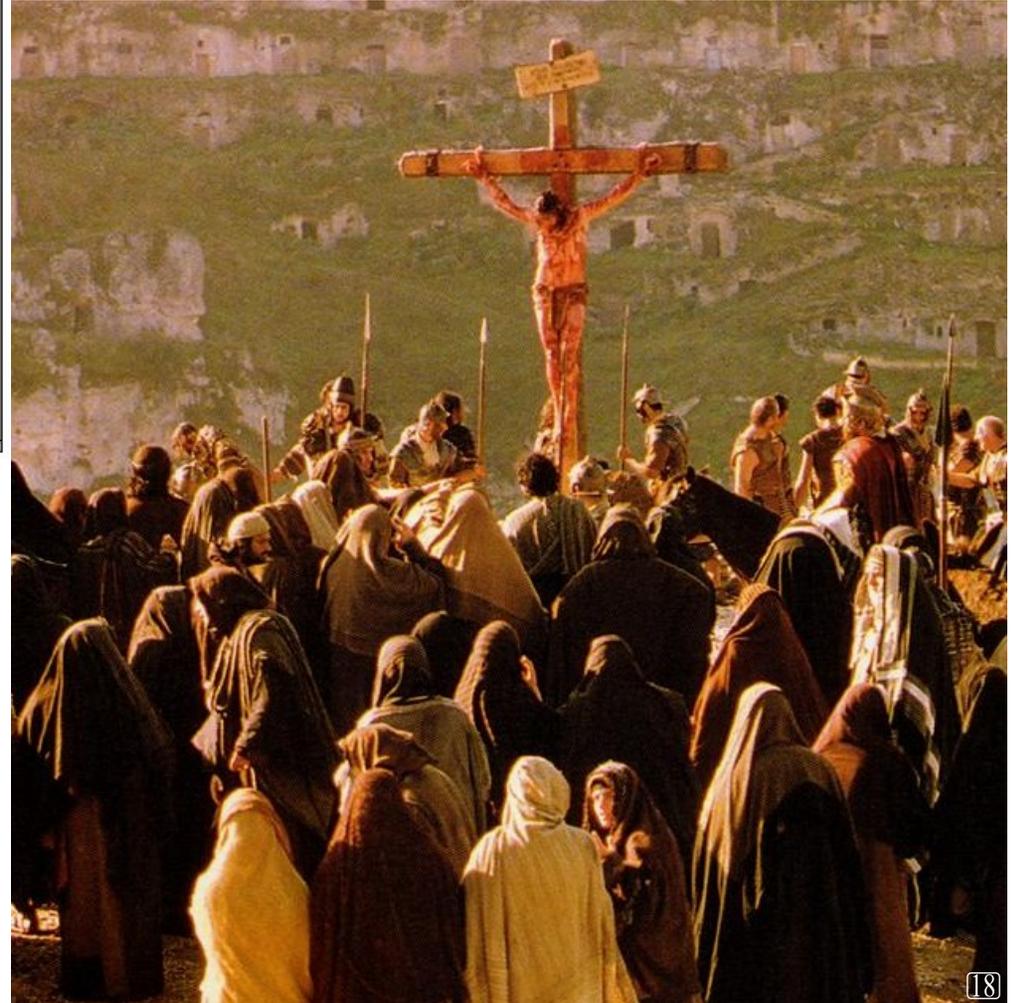
जब वे चोटी की ऊँचाई पर पहुँच गए, सैनिको ने यीशु को क्रूस पर लिटा दिया और बान्ध दिया और उसके हाथों और पैरो में कीले ठोक दी।





The soldiers lifted Him up, and hung him for all to see. Some in the crowd mocked Him and said, "If you are the Christ, come down from the cross so that we may see and believe" and "He saved others, why doesn't He save Himself?"

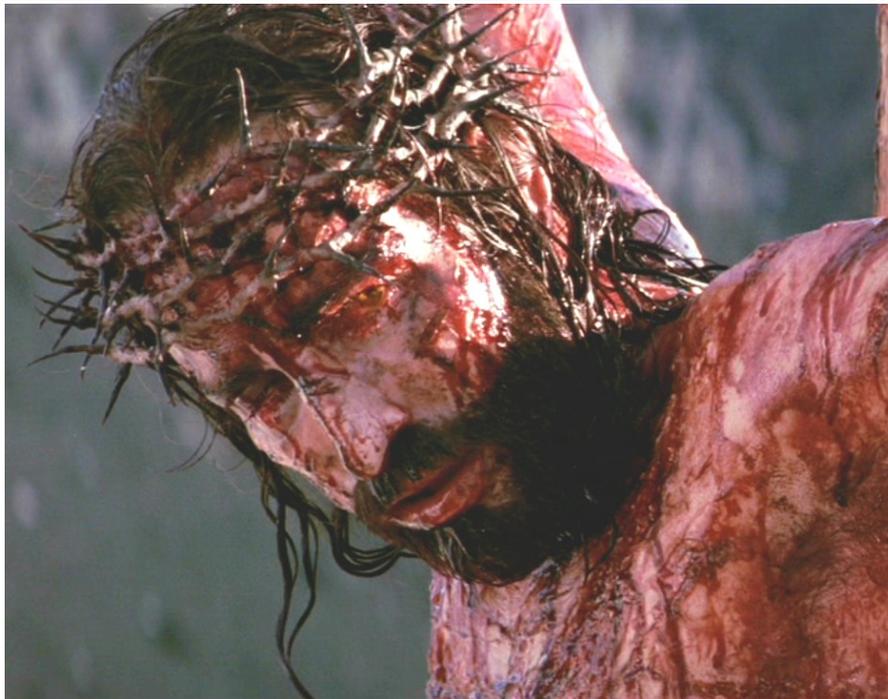
सैनिकों ने उस क्रूस जिस पर यीशु टंगा था को ऊँचा खड़ा कर दिया ताकि उसे सब देख सकें। किसी ने भीड़ में से उसका वुठा किया और कहा, "अगर तू मसीहा है तो क्रूस से नीचे उतर आ ताकि हम देखें और विश्वास करें, और यह कि उसने दूसरों को बचाया, वह अपने आप को क्यों नहीं बचा रहा?"





Two other men were crucified along with Jesus; one on His left and one on His right.

दो और व्यक्ति यीशु के साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे, एक उसकी दायीं तथा दूसरा उसकी बायीं ओर था।



The man crucified on His left, hurled insults at Jesus, while the man on His right said, "Jesus, remember me when You enter Your kingdom." Jesus replied, "on this day you shall be with Me in paradise."

उसके बायीं ओर क्रूस पर चढ़ाया गया व्यक्ति ने यीशु का अपमान किया, जबी उसकी दायीं ओर वाले व्यक्ति ने यीशु से कहा, "यीशु, जब तु अपने राज्य में आये तो मुझे भी स्मरण रखना। इस पर यीशु ने उत्तर दिया, "तू आज ही मेरे साथ स्वर्ग में होगा।"



As Jesus hung there, the Roman soldiers gambled for the clothing of Jesus.

जैसे यीशु
वहां लटका
था, रोमन
सैनिको
ने यीशु के
वस्त्र के लिए
जुआ खेला।

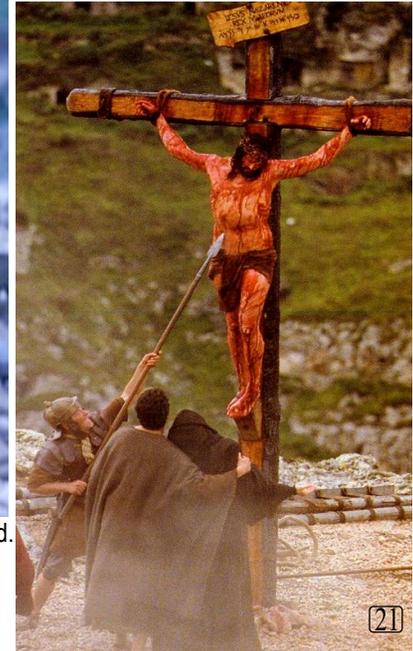


Psalms 22:(-1000 BC) I am poured out like water, and all my bones are out of joint: my heart is like wax; it is melted in the midst of my bowels. My strength is dried up like a potsherd; and my tongue cleaves to my jaws; and thou hast brought me into the dust of death. For dogs have compassed me: the assembly of the wicked have enclosed me: they pierced my hands and my feet. I may tell all my bones: they look and stare upon me. They part my garments among them, and cast lots upon my vesture.

भजन संहिता 22 : (1000 B C) – मैं जल के सदृश उण्डेला गया हूँ, मेरी अस्थियाँ जोड़ से उखड़ गयी है, मेरा हृदय मोम-सा बन गया है ; वे मेरी छाती के भीतर पिघल गया है। मेरा प्राण ठोकरे के समान सु

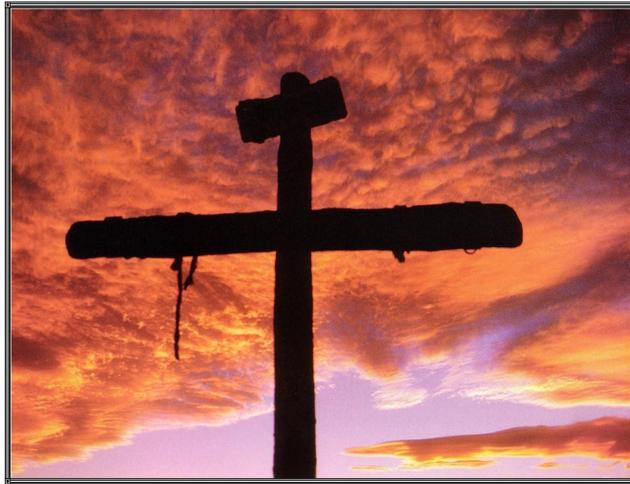
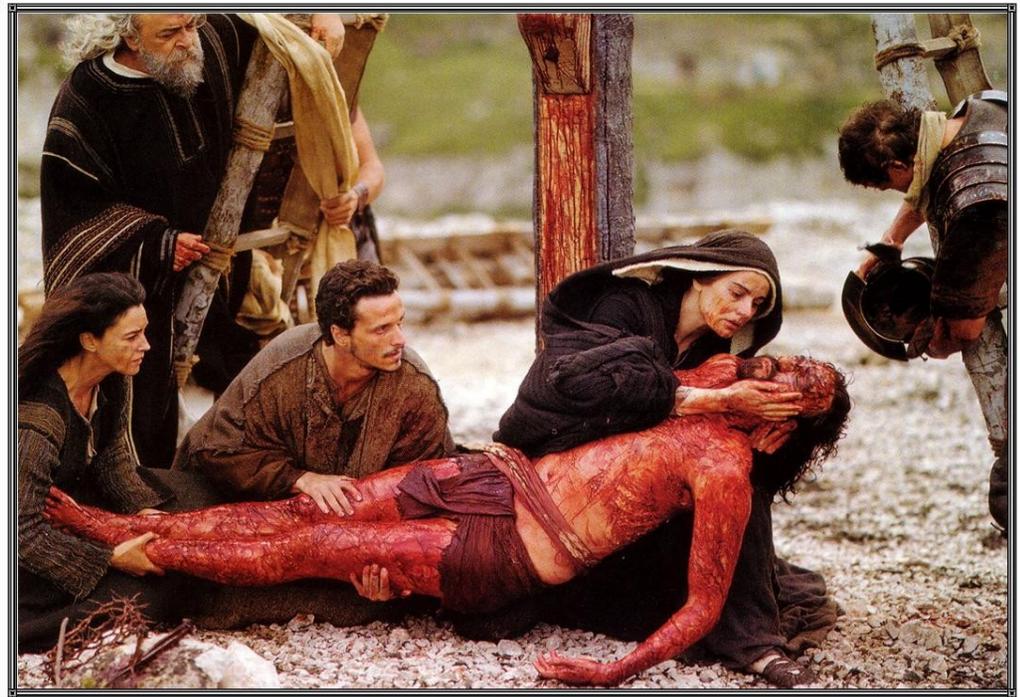


ख गया और मेरी जीभ तालू से चिपक गई, तू मुझे मृत्यु की धूल में मिला रहा है। कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; कुकर्मियों की भीड़ ने चारों ओर से घेरा डाला है, उन्होंने मेरे हाथ-पैर बेध डाले है। मैं अपनी एक-एक हड्डी गिन सकता हूँ। वे घूरते हुए मुझ पर दृष्टि डालते है। उन्होंने मेरे कपड़े आपस में बांट लिए और मेरे वस्त्र पर चिट्ठी डाली।



After 6 hours on the cross, Jesus died. His last words, **"IT IS FINISHED!"** Using a spear, a Roman soldier pierced the side of Jesus, bringing forth water and blood.

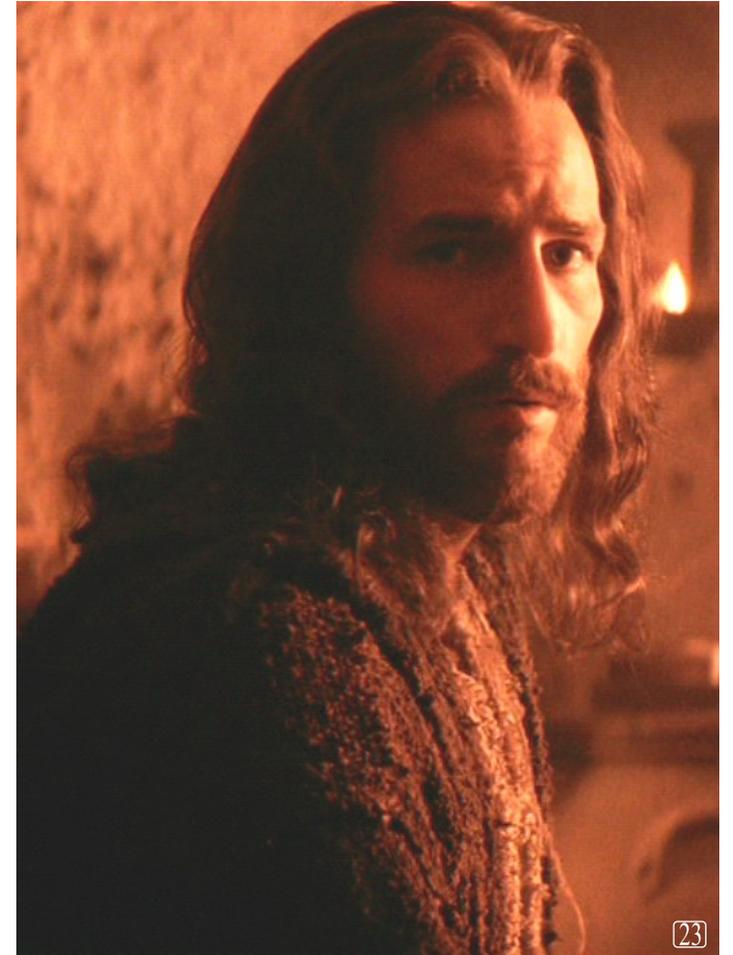
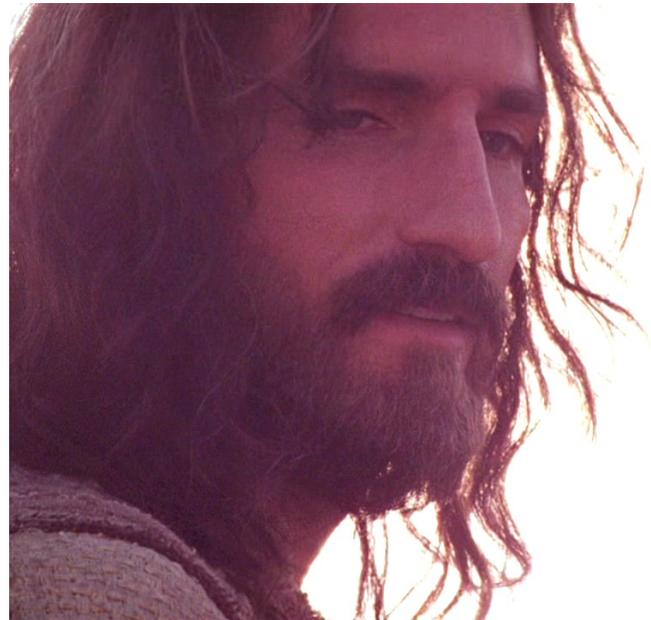
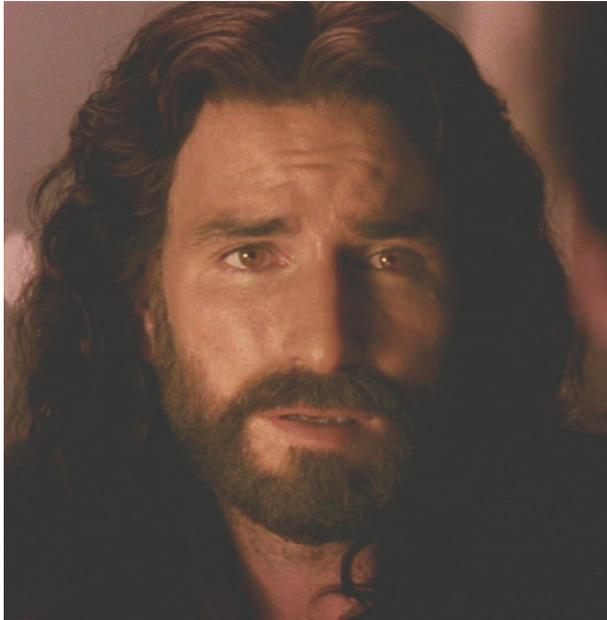
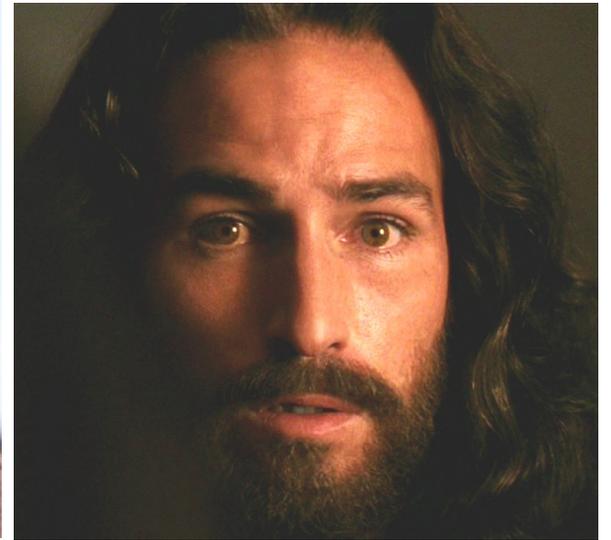
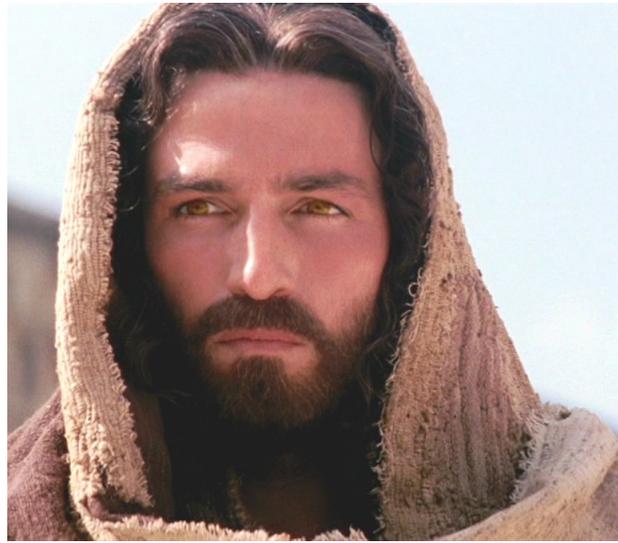
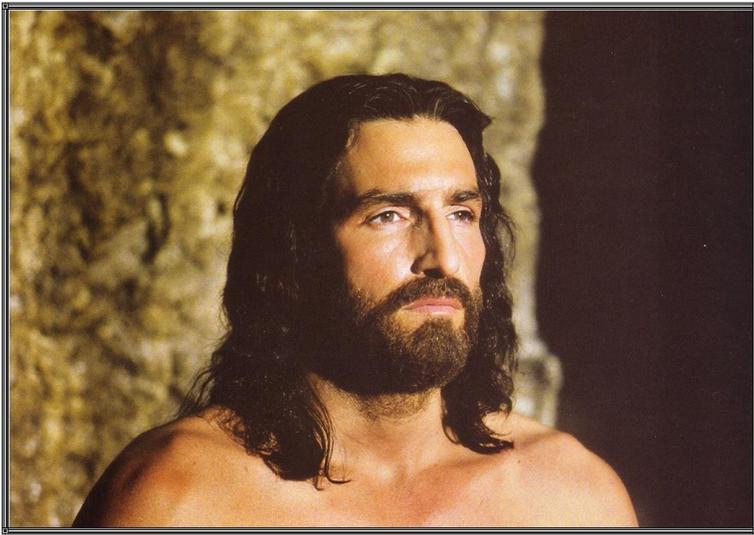
क्रूस पर छः घण्टे के बाद यीशु मर गया। उसके आखिरी शब्द थे, "पूरा हुआ!" रोमन सैनिक ने एक भाला लेकर यीशु की बगल को भेद दिया और उसमें से पानी और खून निकल आया।



After Jesus died, His believers took His body down, and placed Him in a tomb. But days before this, Jesus said...(John 10:17) "The reason my Father loves me is that I lay down my life--only to take it up again. No one takes it from me, but I lay it down of my own accord. I have authority to lay it down and authority to take it up again."

यीशु के मरने के बाद, उसके विश्वासियों ने

उसका शरीर नीचे उतारा और उसे एक कब्र में रख दिया। परन्तु कई दिनों पहले यीशु ने उनसे कहा था (यहून्ना 10:17) "पिता मुझसे प्रेम करता है; क्योंकि मैं अपना प्राण देता हूँ कि उसे फिर प्राप्त करूँ। कोई मेरे प्राण को मुझसे नहीं छीन रहा, वरन् मैं स्वयं दे रहा हूँ।



And 3 days laterHe rose!

और तीन दिन पश्चात्.....

वह जी उठा!